प्रातःक्लास 14-5-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

ओमशान्ति। रूहानी बच्चों प्रित रूहानी बाप बैठ कर समझाते हैं। सुबह को बैठ मदद देते हैं। क्योंकि यहांसम्मुख हैं। ऐसे नहीं कहेंगे सभी अपने स्वधर्म में रहते हैं और बाप को याद करते हैं। कहां न कहां बुधि जरूर जाती होगी। वह तो हरेक अपने को समझे। मूल बात है सतोप्रधान बनने को। सो तो याद की यात्रा से बन सकेंगे। भल बाबा सुबह को बैठ बच्चों को खेंचते हैं, कशिश करते हैं2नम्बरवार ही खेंचते जाते हैं। याद में, शान्ति में रहते हैं, दुनिया को भी भूल जाते हैं परन्तु सवाल है सारे दिन में क्या करते हैं। वहतोहुई सुबह की घंटा आधा याद की यात्रा जिससे आत्मा पवित्र बनती है आयु बढ़ती है। परन्तु सारे दिन में कितनायाद करते हैं। कितना स्वदर्शनचक्रधारी बनते हैं। ऐसे नहीं कि बाबा तो सभी कुछ जानते हैं। अपने3 दिल से पूछना हैसारा दिन क्या किया। अभी तुम बच्चे चार्ट लिखते हो कोई राईट लिखते हैं कोई रांग लिखते हैं। समझेंगे कि हम तो शिव बाबा के साथ ही हैं, शिव बाबा को ही याद करते थे। परन्तु सच-मुच याद में थे? बिल्कुल सायलेन्स में रहनेसे फिर यह दुनिया भी भूल जाती है। अपन को ठगना नहीं है। हम तो शिव बाबा की याद में है। देह के सभी धर्म को भूल जानी है। हमको शिव बाबा कशिश कर सारी दुनिया भूलाते हैं। बाप समझाते हैं अपन को आत्मा बाप को याद करना है। बाप तो कशिश करते हैं सभी आत्मायें बाप को याद करें। और कोई भी याद न आवे। परन्तु सच-मुच याद आती है वा नहीं वह तो खुद ही जाने। ऐसे नहीं बाबा जानी-जाननहार है। अपन को सम्भाल आपे ही करनी है। बाप डायरेक्शन देते हैं फिर सारा दिन क्या करते हैं। वह तो खुद पोतामेल निकाले। कितना हम बाप को याद करते हैं। जैसे आशुक-माशुक का मिशाल। यह आशुक माशुक है रूहानी। बातें ही न्यारी हैं। वह जिसमानी, यह रूहानी। देखना है हम कितना समय दैवी गुणों में रहे। कितना समय बाप की सेवा में रहे। फिर औरों को भी याद दिलानी है। आत्मा पर जो कट चढ़ी है वह याद करने बिगर तो उतरेगी नहीं। भक्ति-मार्ग में अनेकों को याद करते हो। यहां याद करना है एक को। हम आत्मा छोटी बिन्दी हैं तो बाबा भी छोटी बिन्दी है। बहुत2 सूक्ष्म है। नालेज है बड़ी। श्री ना० वा ल० विश्व का मालिक बनना कोई मासी का घर नहीं है। बाप कहते हैं अपन कोमियां मिठू समझ ठग न देना। अपन से पूछो सारे दिन में हम कितना समय अपन को आत्मासमझ बाप को याद किया जो कट निकले। कितने को आप समान बनाया। यह पोतामेल हरेक को अपना रखना है। बाबा थोड़े ही बैठ देखेंगे। हरेक को अपने लिए रजिस्टर रखना है। डायरियां तो है। डायरियां स्थूल काम में भी आ सकती है तो सूक्ष्मकाम में भी आ सकती है। जो करेंगा सो पावेंगा। न करेंगे तो पछतावेंगे। देखना है हमारा कैरेक्टर सारे दिन में कितना रहा। कोई को दुःख तो नहीं दिया। या फालतू बात तो नहीं की, चार्ट रखने से कैरेक्टर सुधरेगा। बाबा ने रास्ता बतलाया। आशुक माशुक एक दो को यादकरते हैं। याद करने से वह सामने खड़ा हो जाता है। दोनो स्त्री है तो भी सा० हो सकता है। दोनो पुरुष है तो भी सा० हो सकता है। कोई2 मित्र तो भाईसे भी तीखे होते हैं। मित्रों का आपस में कितना लव हो जाता है। जो भाईयोंमें भी न हो। एक को बहुत प्यार से अच्छा उठा लेते हैं। बाबा तो अनुभवी है ना। तो सवेर में बाप जास्ती कशिश करते हैं। चकमक है एवर प्युर तो वह खेंचते हैं। बाप तो ऐसे ही कशिश करेंगे जो तुम एकदम पकड़ लो। परन्तु इतने सभी कैसे पकड़ेंगे। बाप तो है बेहद का। वह तो समझते हैं यह बहुत ही लवली बच्चे है। बहुत ही जोर से प्यार करते हैं। प्यार में कशिश होती है। परन्तु यह तो है थोड़े ही टाईम के लिए। बाबा ने यह प्रोग्राम क्यों रखा है क्योंकि याद की यात्रा बहुत जरूरी है। कहां भी जाते हो, मुसाफिरी करते हो, उठते-बैठते, खाते-पीते याद करते हैं सकते हैं। आशुक माशुक कहां भी बैठे याद करते हैं ना। यह भी ऐसे हैं। बाप को याद तो करना ही है। नहीं तो विकर्म कैसे विनाश हो। और कोईउपाय नहीं। यह बहुत2 मुश्किल महीन है। तलवार की धार से चलना होता है। याद है तलवार की धार। घड़ी2 कहते हैं याद भूल जाते हैं। तलवार क्यों कहते हैं क्योंकि इन से पाप कटेंगे। तुम पावन बनेंगे। यह बहुत नाजुक है। जैसे वह लोग आग से पानी से पार करते हैं। तुम्हारा फिर बुधि को

योग चला जाता है बाप के पास। बाप आये हैं हमको यहां शिक्षा देते हैं। ऊपर मैं नहीं हैं। यहां आये हैं। कहते हैं मैं साधारण तन में आता हूं। तुम जानते हो बाप ऊपर से नीचे आया है। चैतन्य हीरा इस डबली में बैठा है। सिर्फ इसमें खुश नहीं होना है। हम बाबा के साथ बैठे हैं। यह तो बाबा जानते हैं बहुत कोशिश करते हैं परन्तु यह तो हुआ आधा घंटा, पौना घंटा। परन्तु सारा दिन वेस्ट गंवाया तो क्या फायदा। बच्चों को अपने चार्ट का बहुत आना रखना है। ऐसे नहीं कि हम तो भाषण कर सकते हैं, चार्ट रखने की हमको क्यादरकार। यह भूल न करनी है। महारथियों को भी चार्ट रखना है। महारथी बहुत नहीं हैं। गिने चुने हैं। बहुतों का तो नाम रूप में टाईम वेस्ट हो जाता है। मुजिल बहुत ऊंची है। बाप सभी कुछ समझा देते हैं। जो स्टुडन्ट ऐसा न समझे कि बाबा ने फलानो पायन्ट न समझाई। यह है सृष्टि। याद और सृष्टि चक्र। इस सृष्टि चक्र को, 84 जन्मों को तो कोई नहीं जानते सिवाय तुम बच्चों के। वैराग्य भोतुको आवेगा। तुम जानते हो इस मृत्युलोक में अभी रहने का नहीं है। जाने से पहले पवित्र बनना है। देवी गुण भी जरूर चाहिए। नम्बरवार माला में पिराने हैं। फिर नम्बरवार राजधानी में आनी है। फिर नम्बरवार तुम्हारी भी पूजा होती है। क्या2 नाम रखते हैं। चण्डिका देवी का भी मेला लगता है। जो रजिस्टर नहीं रखते हैं तो चण्डिका ठहरे ना। कोई सुधरते नहीं हैं तो कहा जाता है ना यह तो कोई चण्डी है। सुनते ही नहीं। मानते नहीं। यह फिर बेहद की बात। नहीं करेंगे तो बाप कहेंगे यह बाप के भी मानने वाले नहीं हैं। पदभीकम हो जावेगा। इसलिए बाप कहते हैं अपने ऊपर बहुत नज़र रखनी है। बाबा सवेरे आकर कितनी मेहनत कराते हैं याद की यात्रा की। यह बहुत बड़ा माल है नालेज को तो सुस्ती सबजेक्ट कहेंगे। 84 के चक्र को याद करना बड़ी बात नहीं। बाकी बड़ा माल है याद की यात्रा। जिसमें फेल भी होते हैं। तुम्हारी युध भी इसमें है। तुम याद करते हो माया पछाड़ देती है। नालेज में युध की बात नहीं। वह तो सीमित इनकम है। यह तो पवित्र बनना है लायक होने लिए। इसलिए ही बाप को बुलाते हैं कि आकर पतित से पावन बनाओ। ऐसे नहीं कहते कि आकर पढ़ाओ। कहेंगे पावन बनाओ। तो यह सभी पायन्टस बुधि में रखनी है। पूरा राजयोगी बनना है। नालेज तो बहुत सिम्पुल है। सिर्फ युक्ति से समझाना होता है। जबान में मिठास भी चाहिए। तुमको यह ज्ञान मिलता है वह भी कर्मोन्नत अनुसार कहेंगे। शुरू से लेकर भक्ति की है तो वह अच्छे कर्म किये हैं ना इसलिए शिव बाबा भी अच्छी तरह से बैठ समझाते हैं। जितनी जास्ती भक्ति की होगी। शिव बाबा राज़ी हुआ होगा तो अभी भी ज्ञान जल्दी उठावेंगे। महारथियों की बुधि में पायन्टस बैठती होंगी। लिखते रहे तो भी अच्छी2 पायन्टस अलग करते रहें। पायन्टस का वजन करे। परन्तु इतनी मेहनत तो कोई करते ही नहीं। मुश्किल कोई नोट रखते होंगे और अच्छे पायन्टस निकाल अलग रखते होंगे। बाबा हमेशा कहते हैं भाषण करने पहले लिखो। फिर जांच करो। ऐसे मेहनत करते नहीं हैं। सभी पायन्टस किसको याद नहीं रहती। बैरिस्टर लोग भी पायन्टस नोट करते हैं। तुमको तो बहुत ही जरूरी है। टापिक लिख कर फिर पढ़ना चाहिए। कलेक्शन करना चाहिए। इतनी मेहनत न करेंगे तो उछल नहीं पावेंगे। तुम्हारा बुधि योग और तरफ भटकता रहेगा। बहुत थोड़े हैं तो सरलता से चलते हैं। सर्विस बिगर और कुछ भी बुधि में नहीं रहता। माला में आना है तो मेहनत करनी चाहिए। बाप तो मत देते हैं। फिर दिल से लगती है या नहीं यह तो खुद ही जाने। भल धंधा धोरी आदि करो। डायरी तो सदैव ही पाकेट में रहनी चाहिए। नोट करने लिए। सब से जास्ती तुमको नोट करना है। अपनको जिज्ञासु समझेंगे तो तो माया भी कोई कम नहीं। घूसा लगाती रहेगी। लव्ना० बनना मासी का घर नहीं। बड़ा सख्तनत स्थापन होती है। कोटों में कोई निकलेंगे। हमको तो इस समय कोई ऐसे देखने में नहीं आते। कहेंगे भला क्या करती थी। पायन्टस लिखवाती थी। यह तो किताब में ही रहती थी। रोज़ देखती थोड़े ही थी। बाबा तो कहते हैं नोट कर फिर देखो लिखने की मेहनत चाहिए। बाबा भी सवेरे2 दो बजे उठ कर लिखते थे। फिर पढ़ते थे। पायन्टस भूल जाते थे तो फिर लिखते थे। तुमको समझाने लिए। जो अभी बच्चे गये हैं जल्दी में क्यों गये। कोई कारण भी होगा। समझा

जाता है कहां है वह याद की यात्रा, कहां है है वह कर्मातीतअवस्था। मुफ्त में किसकी बड़ाई नहीं करनी होती है। बड़ी मेहनत है। इनको भी कर्म-भोग कहा जाता है। भोगना तो इनको भी पड़ता है ना। याद करना पड़ता है। अच्छा मीठी समझो ब्रह्मा नहीं शिव बाबा चलाते हैं परन्तु यह तन्दी भी तो चलाते होंगे। बच्चों को सदैव समझाते हैं कि शिव बाबा ही समझो। वह सुनाते हैं। कब बीच में यह भी बोल देते हैं। बाबा भी बिल्कुल एक्युरेट ही कहेंगे। यह बीच में इनटरफेयर कर बोलते हैं। कच्ची-पक्की पायन्ट कब निकल जाती होंगी तो समझो इनकी है। इनको तो सारा दिन बहुत खयालात करनी पड़ती है। कितनी बच्चों की रेसपान्सीबुलिटी है। कोई ब्राह्मणियां भी नाम-रूप में फंस चलायमान हो जाती है। जैसे तोता बन बैठ समझाती हैं। बच्चों के लिए मकान बनाना यह सेवन्ज करनी है। है तो यह सभी ड्रामा। बाबा का भी ड्रामा, इनका भी ड्रामा, तुम्हारा भी ड्रामा। ड्रामा बिगर कोई भी चीज होती नहीं। सेकण्ड व सेकण्ड ड्रामा चलता है। ड्रामा को यादकरने से हिलेंगे नहीं। अडोल अचल स्थिरियम रहेंगे। तूफान तोबहुत आवेंगे। कई बच्चे सच्च नहीं बताते हैं। सब से जास्ती तूफान तो इनको आवेंगे। नहीं तो औरों को समझाऊं कैसे। स्वप्न भी ढेर आते हैं। माया है ना। न आने वाले को भी आवेंगे। बाप समझ जाते हैं बच्चों को वर्सा पाने लिए याद करने में कितनी मेहनत करनी पड़ती है। कोई2 मेहनत करते2 थक जाते हैं। मुजिल बड़ी भारी है। 2। पीढ़ी विश्व का मालिक बनना है। तो मेहनत भी करनी पड़ी पड़े ना। लवली बाप को यादकरना पड़े। दिल में रहता है बाबा हमको विश्व कामालिक बनाते हैं। ऐसे बाप को तो घड़ी2 याद करना चाहिए। सब से प्यारा बाबा है। स्त्री पति को कितना प्यार करती है। वह तो खड्डे में डाल देते हैं। यह बाबा तो कमाल करते हैं। विश्व की नालेज देते हैं। बाबा बाबा बाबा कह अन्दरमेंमहिमा गानी पड़े। बहुत2 लव रहता है। जो यादकरते होंगे उनकी कोशिश होगी। यहां आते ही हैं बाप से रिफ्रेश होने। तो बाप समझाते हैं मीठे बच्चे गफ्लत न करनी है। बाबादेखते हैं सभी सेन्टरसे आते हैं देखता हूं, पूछता हूं किसप्रकार की खुशी है। बाबा जांच तो करते हैं। सिकलसे भी देखते हैं बापसे कितना लव है। बाप के सामने आते हैं तो बापकोशिश करते हैं। यहांबैठे2 सभी भूल जाते हैं। बाबा बिगरकुछ भी नहीं। सारीदुनिया को भुलाना ही है। वह अवस्था बड़ी अलौकिक मीठी होती है। बाप की याद में आकर बैठते हैं तो प्रेम के आंसु भी आ जाते हैं। भक्ति मार्ग में भी आंसु आते हैं परन्तु भक्ति मार्ग अलग है। ज्ञान मार्ग अलग है। यहहै बेहद के साथ सच्चा प्रेम। यहां की बात ही न्यारी है। यहां तुम शिव बाबा के पास आते हो। जस रथ पर सवार होंगा। बिगर शरीर तो आत्मायें यहां मिल सकती है। यहां तो सभी शरीरधारी है। जानते हैं यह बापदादा है। तो बाप को याद करना पड़े। बहुत प्यार सेमहिमाकरनी है। बाबा हमकोक्या देते हैं। भक्तों को मालूम थोड़े ही पड़ता है। कि हमको क्या मिलता है। कुछ भी नहीं। समझो करके सा० होता है। मिलता कुछ भी नहीं। पुनर्जन्म तो लेते रहते हैं। तुम जानते हो बाबा आया हुआ है इस जंगल से ले जाते हैं। मंगलम् भगवान विष्णु कहा जाता है ना। सब को मंगल करनेवाला हरी है। सभी का कल्याण होताहै। एक ही बाप हैउनको याद करना है। नालेज धारण करनी है। हम क्यों नहीं किसको कल्याण कर सकते हैं। जस कोई खानी है। बाप कहते हैं यादका जोहर नहीं। इसलिए बाणो में भी कोशिश नहीं होती। यह भी ड्रामा। अभी फिर अच्छी तरह से जोहर धारण करो। याद की यात्रा=की= ह मुश्किल है। हम भाई को ज्ञान देते हैं। हम सभी भाई2 हैं। भाई को बाप का परिचय देते हैं। बाप से ही ही वर्सा पाना है। बाबा फील करते हैं घड़ी2 भूल जाते होंगे। बाप कहते हैं मैं तो सभी को समझाता हूं। बच्चा बच्चा2 यह कहताहोगा। यह बाप थोड़े ही है। यहउथल पाथल बाबा के आगे बहुत हो आती है। वन्डरफुल पार्ट है। बाप तो कहेंगे मेरे सभी बच्चे हैं। यह कहेंगे बहन भाई हैं। वन्डरफुल ड्रामा पार्ट है ना। भाई2 कह बात करता होगा। यह भी हिरा हुआहै। देही अभिमानी तो बना न है। बहुत थोड़े समझते होंगे कि यह अक्षर किसके किसके हैं। बाबा तो कच्चे ही कहेंगे। आया ही है बच्चों को वर्सा देने। अच्छा बच्चों कोगुडमार्निंग और नमस्ते।